लगाना, जिसके बारे में एक करार विचाराधीन है, उस कार्यक्रम के अतिरिक्त है जिस के अन्तर्गत सन् 2000 तक 10000 मेगावाट क्षमता के रिएक्टर लगाये जाने हैं।

बांगलादेश में अल्पसंख्यकों के संबंध में श्रीमती शेख हसीना वाजेद का कथित वक्तव्य

4436. श्री राम जेठमलानी :

श्री राम अवधेश सिंह :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान बांगलादेश की अवामी लीग पार्टी की नेता श्रीमती शेख हसीना वाजेद द्वारा कलकत्ता विमान पत्तन पर दिये इस वक्तव्य की ओर दिलाया गया है कि बांगलादेश में अब अल्पसंख्यक अपने आपको असुरक्षित महसूस कर रहे हैं ;

(ख) क्या सरकार को इस संबंध में कोई तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त हुई है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. नटवर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) सरकार ने इस आशय की खबरें देखी हैं। तथापि, बांगलादेश की सरकार ने ढाका स्थित हमारे हाई कमीशन को यह आश्वासन दिया है कि वहां के अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा की जायगी।

सिंचाई क्षमता का उपयोग

4437. श्री राम जेठमलानी : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की सिंचाई क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है ;

(ख) तो क्या यह भी सच है कि इस क्षमता के उपयोग को बढ़ाने के लिये कमांडर एरिया डिवलपमेंट कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया था ;

(ग) यदि हां, तो पिछले 3 वर्षों के दौरान देश की सिंचाई क्षमता कितनी रही; और इस क्षमता के उपयोग की स्थिति क्या रही ; और

(घ) सरकार ने इस क्षमता के अधिकतम उपयोग का क्या लक्ष्य निर्धारित किया है ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) छठी योजना अवधि के अन्त तक, 67.53 मिलियन हेक्टेयर की सृजित सिंचाई क्षमता की तुलना में 60.58 मिलियन हैक्टर की क्षमता का उपयोग किया जा रहा था।

(ख) कमान क्षेत्र विकास कार्यक्रम का उद्देश्य अन्यों के साथ-साथ सिंचाई क्षमता के उपयोग में सुधार करना है।

(ग) सिंचाई क्षमता (मिलियन हेक्टेयर में)

छठी योजना (1984–85) तक सृजित	67.53	छठी योजना–1984–85 तक उपयोग की गयी	60.58
1985–86 (उपलब्धि)	2.09	1985-86 उपलब्धि	1.55
1986–87 (प्रत्याशित उपलब्धि)	2.32	1986–87 प्रत्याशित उपलब्धि	2.04
1987–88 (लक्ष्य)	2.38	1987–88 (लक्ष्य)	2.05

(घ) सृजित की गयी अतिरिक्त सिंचाई क्षमता के उपयोग के लिये सातवीं पंचवर्षीय योजना में 10.91 मिलियन हेक्टेयर का लक्ष्य रखा गया है ।

पानी की दरों में वृद्धि

4438. **श्री राम जेठमलानी :** क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने राज्य सरकार को औद्योगिक कार्यों के लिये प्रयोग किये जाने वाले पानी की दरों में वृद्धि करने के निदेश दिये हैं ;

(ख) यदि हां, तो देश में औद्योगिक उत्पादन की बढ़ती हुई लागत को कम करने के लिये दी जाने वाली सहायता को क्रियान्वित करने में यह निदेश किस सीमा तक सहायक होगा ; और

(ग) औद्योगिक कार्यों के लिये प्रयोग किये जाने वाले पानी की दरों में वृद्धि करने के निदेश जारी किये जाने के क्या कारण

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते ।

सिलीकोन का स्वदेशी उत्पादन खर्चीला साबित होना

4439. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **प्रधान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 7 जुलाई, 1988 के 'इकानामिक टाइम्स' में 'इंजीनियर्स, सिलीकोन प्रूवज एक्सपेंसिव' शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) क्या सरकार ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुये इस पर पुनर्विचार किया है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है, और भावी योजना का ब्यौरा क्या है ?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, इलक्ट्रानिकी और अन्तरिक्ष विभागों में राज्य मंत्री (श्री के. आर. नारायणन्): (क) जी, हां ।

(ख) तथा (ग) इलैक्ट्रोनिकी विभाग सिलिकोन के विनिर्माताओं तथा प्रयोगकर्ताओं के साथ नियमित रूप से बैठकें आयोजित कर रहा है और सिलिकन के क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता में सुधार लाने के लिये उचित कदम उठाये जाने की दृष्टि से स्थिति की निरन्तर समीक्षा कर रहा है। इस बीच, सौर बैटरी के विनिर्माण में सिलिकन सामग्रियों की उत्पादन की लागत को कम करने के उद्देश्य से गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोत विभाग ने ऊर्जा की खपत तथा उत्पादन की लागत को कम करने के लिये मैसर्स मेटकेम सिलिकन लिमिटेड को एक अनुसंधान तथा विकास परियोजना मंजूर की है । परियोजना में 1.5 करोड़ रु. का परिव्यय शामिल है जिसमें से 1.0 करोड़ रु. अनुदान के रूप में तथा 50 लाख रु. ऋण के रूप में प्राप्त होगा । परियोजना की अवधि 1 फरवरी, 1988 से दो वर्षों की है और इसलिये पूंजी निवेश के प्रभाव के बारे में निर्णय लेना अभी संभव नहीं है । सिलिकन वेफर के अन्य विनिर्माणकारी इकाइयों को सहायता प्रदान करने के प्रश्न पर भी सरकार विचार कर रही है ।

Landing of Tahiti Aircraft at Ahmedabad Airport

4440. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY :
SHRI SHANKER SINH VAGHELA :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that 3 Air Tahiti aircraft were made to